तू ही तू मैया तू ही तू

तेरा नूर माँ मेरी हस्ती में तेरा चर्चा रूह की वस्ती में,
मेरे अरमानो की कश्ती में तू ही तू मैं नहीं मैया तू ही तू,
मेरी बातो की ख़ामोशी में मेरी सांसो की सरगोशी में,
मेरे होश और बेहोशी में,तू ही तू मैं नहीं मैया तू ही तू,

मेरे इक भी लम्हे पर मेरा नामो निशान नहीं,
सोच में बैठी तू दूर सही पर जुड़ा नहीं,
मेरी हालत में हलातो में मेरे खाबो में जज्बातो में,
इन अंसुवन की बरसातों में तू ही तू मैं नहीं मैया तू ही तू,

छोड़ू हाथ जब मेरा माँ देखु तुझे लकीरो में .
सजदे राह बिचाऊ मैं आस की इन तकदीरो में
नील कंठ की यादो में सुख जिन्दर की फ़रयादो में मेरी रूह में और इरादों में
तू ही तू मैं नहीं मैया तू ही तू,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/15635/title/tu-hi-tu-maiya-tu-hi-tu

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |